

Heinrich-Schütz-Chor - Dieter Gillessen  
Adventskonzert - St. Michael, Aachen-Burtscheid  
19.12.2004

- |     |  |      |
|-----|--|------|
| 1.  | <b>Machet die Tore weit</b> - <i>Andreas Hammerschmidt</i>         | 2:19 |
| 2.  | <b>Begrüßung</b> - <i>Dieter Gillessen</i>                         | 1:33 |
| 3.  | <b>Gott heil'ger Schöpfer</b> - <i>Guillaume Dufay</i>             | 2:47 |
| 4.  | <b>Tu solus</b> - <i>Josquin Depres</i>                            | 2:56 |
| 5.  | <b>Nun komm der Heiden Heiland</b> - <i>Andreas Raselius</i>       | 1:17 |
| 6.  | <b>Ansage</b> - <i>Dieter Gillessen</i>                            | 2:10 |
| 7.  | <b>Warum toben die Heiden</b> - <i>Felix Mendelssohn-Bartholdy</i> | 5:58 |
| 8.  | <b>Du bist aller Dinge schön</b> - <i>Melchior Franck</i>          | 3:59 |
| 9.  | <b>Meine Seele erhebt den Herrn</b> - <i>Heinrich Schütz</i>       | 6:37 |
| 10. | <b>Ansage</b> - <i>Dieter Gillessen</i>                            | 1:33 |
| 11. | <b>Veni veni Emmanuel</b> - <i>Zoltan Kodaly</i>                   | 4:02 |
| 12. | <b>O Heiland reiß die Himmel auf</b> - <i>Johannes Brahms</i>      | 5:08 |
| 13. | <b>Verbum caro factus est</b> - <i>Hans Leo Hassler</i>            | 2:45 |
| 14. | <b>Ansage</b> - <i>Dieter Gillessen</i>                            | 1:22 |
| 15. | <b>Lobet den Herrn alle Heiden</b> - <i>Johann Sebastian Bach</i>  | 7:39 |
| 16. | <b>Abendlied</b> - <i>Josef Rheinberger</i>                        | 4:16 |
| 17. | <b>Zugabe</b> - <i>Alta trinita beata</i> -                        | 3:32 |